क्रांतिकारी विश्व संत श्री ऋषिजी

‘क्वोलिटी लाईफ’ के जनक

वे विश्व के रसुखवालों के आध्यात्मिक रुप से संगठित सबसे बडे नेटवर्क के मुखिया हैं, क्योंकि वे क्वोलिटी लाईफ मंत्र के जनक हैं। उनके क्वोलिटि लाईफ मंत्र से विश्व भर में बदलाव आया हैं। उनका साम्राज्य विश्व भर में फेला हुआ हैं, क्योंकि आध्यात्मिक जगत के सबसे प्रभावी स्वामी जिनके अनुयायियों की संख्या दुनिया भर में ढाई करोड़ से अधिक हैं। वे विश्व के मूल्यवान ब्रान्ड हैं ,क्योंकि उनका कारोबारी ब्रान्ड ऐसा है जिस पर विश्व आँख मूंदकर भरोसा करता हैं। वे सदैव गरिमा की मूर्ति है, क्योंकि वे भारतीय आध्यात्मिकता के पर्याय वाची हैं। वे भड़कीले लोगों के गुरु हैं, क्योंकि मीडिया मालिक से लेकर ज़हाज निर्माता, मुख्यमंत्री से लेकर प्रधानमंत्री तक सब उनके समागम में सामिल होते हैं। वे विश्व के राजनैतिक श्रेष्ठि वर्गकों निर्देशीत करनेवाली अदृश्य शक्ति हैं, क्योंकि वे आध्यात्मिक उद्योग में सबसे तेजी से बढ़ते उद्यम के प्रमुख हैं। उनकी क्रांतिकारी योजना रामबाण नुष्खा साबित हो सकती हैं। वे नई सहस्त्राब्दी के मनोहारी कृष्ण योगी हैं।

पहचान : विश्व में सर्वाधिक सुने और पढ़े जाने वाले तथा दिल और दिमाग को झकझोर कर देने वाले अद्भुत प्रवचन। अपनी नायाब प्रवचन शैली के लिये विश्वभरमें सर्वाधिक चर्चित और ऋषिजी के रुपमें पहचान।

मिशन : ‘धक्वालिटी लाइफ’ एवं गुणवत्तामय जीवन का विश्व व्यापी प्रचार–प्रसार एवं प्रशिक्षण।

भावनात्मक अपील : विश्व संदेश : UNIVERSAL MESSAGE :

सभी राष्ट्रवासियों अपने देश के लिए एकजुट राष्ट्र के तौर पर ऊंठे और पूरी सकारात्मकता के साथ स्वयं को राष्ट्र निर्माण की सफलता के प्रति सर्मपित करें। अगर हम सामुहिक रुप से कमर कसकर जुट जाते है तो अवश्य राष्ट्र को विश्व की सर्वोच्च महाशक्ति बना सकते हैं। राष्ट्रहित में निजी सोच और तात्कालिन लाभ को पीछें छोड़कर हमे एक साथ आगे बढ़ना चाहिए। स्वर्ग का साम्राज्य तभी स्थापित होता है, जब विकास और व्यवस्था उसकी चरम सीमा पर हो। अगर आप राष्ट्र निर्माण के लिए कार्य कर रहे हो, तो अदृश्य शक्ति उस प्रक्रिया में हंमेशा आपको साथ देगी। इस लिए वैश्विक निर्माण करो। कुछ नया इस जगत में लाओ, जो श्रेष्ठ हो। फिर चाहे विज्ञान के द्वारा लाओ, चाहे आध्यात्मिकता के द्वारा, मगर इस जगत को स्वस्थ, स्वच्छ, साक्षर, समृध्ध, सुंदर, शांत, शाकाहार और सुसंस्कृत बनाओ। विश्व के सभी धर्म ग्रंथो का एक ही संदेश : श्रेष्ठ निर्माण. ॥ऋषि॥

विश्व निर्माण : विकास और व्यवस्था के लिए... बनो निर्माण पुरुष, विश्व निर्माण के लिए...

The Universal Religion
Vishwa Dharma
One World, One Family
आई श्री AAY SHRI
UNIVERSAL MEDIA
http://universalmedia.org.in

क्रांतिकारी विश्व संत श्री ऋषिजी
‘क्वोलिटी लाईफ’ के जनक

वे विश्व के रसुखवालों के आध्यात्मिक रुप से संगठित सबसे बडे नेटवर्क के मुखिया हैं, क्योंकि वे क्वोलिटी लाईफ मंत्र के जनक हैं। उनके क्वोलिटि लाईफ मंत्र से विश्व भर में बदलाव आया हैं। उनका साम्राज्य विश्व भर में फेला हुआ हैं, क्योंकि आध्यात्मिक जगत के सबसे प्रभावी स्वामी जिनके अनुयायियों की संख्या दुनिया भर में ढाई करोड़ से अधिक हैं। वे विश्व के मूल्यवान ब्रान्ड हैं ,क्योंकि उनका कारोबारी ब्रान्ड ऐसा है जिस पर विश्व आँख मूंदकर भरोसा करता हैं। वे सदैव गरिमा की मूर्ति है, क्योंकि वे भारतीय आध्यात्मिकता के पर्याय वाची हैं। वे भड़कीले लोगों के गुरु हैं, क्योंकि मीडिया मालिक से लेकर ज़हाज निर्माता, मुख्यमंत्री से लेकर प्रधानमंत्री तक सब उनके समागम में सामिल होते हैं। वे विश्व के राजनैतिक श्रेष्ठि वर्गकों निर्देशीत करनेवाली अदृश्य शक्ति हैं, क्योंकि वे आध्यात्मिक उद्योग में सबसे तेजी से बढ़ते उद्यम के प्रमुख हैं। उनकी क्रांतिकारी योजना रामबाण नुष्खा साबित हो सकती हैं। वे नई सहस्त्राब्दी के मनोहारी कृष्ण योगी हैं।

पहचान : विश्व में सर्वाधिक सुने और पढ़े जाने वाले तथा दिल और दिमाग को झकझोर कर देने वाले अद्‌भुत प्रवचन। अपनी नायाब प्रवचन शैली के लिये विश्वभरमें सर्वाधिक चर्चित और ऋषिजी के रुपमें पहचान।

मिशन : ‘धक्वालिटी लाइफ’ एवं गुणवत्तामय जीवन का विश्व व्यापी प्रचार-प्रसार एवं प्रशिक्षण।

भावनात्मक अपील : विश्व संदेश : UNIVERSAL MESSAGE :

सभी राष्ट्रवासियों अपने देश के लिए एकजुट राष्ट्र के तौर पर ऊंठे और पूरी सकारात्मकता के साथ स्वयं को राष्ट्र निर्माण की सफलता के प्रति समर्पित करें। अगर हम सामुहिक रुप से कमर कसकर जुट जाते है तो अवश्य राष्ट्र को विश्व की सर्वोच्च महाशक्ति बना सकते हैं। राष्ट्रहित में निजी सोच और तात्कालिन लाभ को पीछें छोड़कर हमे एक साथ आगे बढ़ना चाहिए। स्वर्ग का साम्राज्य तभी स्थापित होता है, जब विकास और व्यवस्था उसकी चरम सीमा पर हो। अगर आप राष्ट्र निर्माण के लिए कार्य कर रहे हो, तो अदृश्य शक्ति उस प्रक्रिया में हंमेशा आपको साथ देगी। इस लिए वैश्विक निर्माण करो। कुछ नया इस जगत में लाओ, जो श्रेष्ठ हो। फिर चाहे विज्ञान के द्वारा लाओ, चाहे आध्यात्मिकता के द्वारा, मगर इस जगत को स्वस्थ, स्वच्छ, साक्षर, समृध्ध, सुंदर, शांत, शाकाहार और सुसंस्कृत बनाओ। विश्व के सभी धर्म ग्रंथो का एक ही संदेश : श्रेष्ठ निर्माण. ॥ ऋषि ॥

विश्व निर्माण : विकास और व्यवस्था के लिए... बनो निर्माण पुरुष, विश्व निर्माण के लिए...

Vishwa Dharma
One World, One Family
आई श्री AAY SHRI
UNIVERSAL MEDIA
http://universalmedia.org.in

क्रांतिकारी विश्व संत श्री ऋषिजी

‘क्वोलिटी लाईफ’ के जनक

वे विश्व के रसुखवालों के आध्यात्मिक रुप से संगठित सबसे बडे नेटवर्क के मुखिया हैं, क्योंकि वे क्वोलिटी लाईफ मंत्र के जनक हैं। उनके क्वोलिटि लाईफ मंत्र से विश्व भर में बदलाव आया हैं। उनका साम्राज्य विश्व भर में फेला हुआ हैं, क्योंकि आध्यात्मिक जगत के सबसे प्रभावी स्वामी जिनके अनुयायियों की संख्या दुनिया भर में ढाई करोड़ से अधिक हैं। वे विश्व के मूल्यवान ब्रान्ड हैं ,क्योंकि उनका कारोबारी ब्रान्ड ऐसा है जिस पर विश्व आँख मूंदकर भरोसा करता हैं। वे सदैव गरिमा की मूर्ति है, क्योंकि वे भारतीय आध्यात्मिकता के पर्याय वाची हैं। वे भड़कीले लोगों के गुरु हैं, क्योंकि मीडिया मालिक से लेकर ज़हाज निर्माता, मुख्यमंत्री से लेकर प्रधानमंत्री तक सब उनके समागम में सामिल होते हैं। वे विश्व के राजनैतिक श्रेष्ठि वर्गकों निर्देशीत करनेवाली अदृश्य शक्ति हैं, क्योंकि वे आध्यात्मिक उद्योग में सबसे तेजी से बढ़ते उद्यम के प्रमुख हैं। उनकी क्रांतिकारी योजना रामबाण नुष्खा साबित हो सकती हैं। वे नई सहस्त्राब्दी के मनोहारी कृष्ण योगी हैं।

पहचान : विश्व में सर्वाधिक सुने और पढ़े जाने वाले तथा दिल और दिमाग को झकझोर कर देने वाले अद्‌भुत प्रवचन। अपनी नायाब प्रवचन शैली के लिये विश्वभरमें सर्वाधिक चर्चित और ऋषिजी के रुपमें पहचान।

मिशन : ‘धक्वालिटी लाइफ’ एवं गुणवत्तामय जीवन का विश्व व्यापी प्रचार-प्रसार एवं प्रशिक्षण।

भावनात्मक अपील : विश्व संदेश : UNIVERSAL MESSAGE :

सभी राष्ट्रवासियों अपने देश के लिए एकजुट राष्ट्र के तौर पर ऊंठे और पूरी सकारात्मकता के साथ स्वयं को राष्ट्र निर्माण की सफलता के प्रति सर्मपित करें। अगर हम सामुहिक रुप से कमर कसकर जुट जाते है तो अवश्य राष्ट्र को विश्व की सर्वोच्च महाशक्ति बना सकते हैं। राष्ट्रहित में निजी सोच और तात्कालिन लाभ को पीछें छोड़कर हमे एक साथ आगे बढ़ना चाहिए। स्वर्ग का साम्राज्य तभी स्थापित होता है, जब विकास और व्यवस्था उसकी चरम सीमा पर हो। अगर आप राष्ट्र निर्माण के लिए कार्य कर रहे हो, तो अदृश्य शक्ति उस प्रक्रिया में हंमेशा आपको साथ देगी। इस लिए वैश्विक निर्माण करो। कुछ नया इस जगत में लाओ, जो श्रेष्ठ हो। फिर चाहे विज्ञान के द्वारा लाओ, चाहे आध्यात्मिकता के द्वारा, मगर इस जगत को स्वस्थ, स्वच्छ, साक्षर, समृध्ध, सुंदर, शांत, शाकाहार और सुसंस्कृत बनाओ। विश्व के सभी धर्म ग्रंथो का एक ही संदेश : श्रेष्ठ निर्माण. ॥ **ऋषि** ॥

विश्व निर्माण : विकास और व्यवस्था के लिए... बनो निर्माण पुरुष, विश्व निर्माण के लिए...

Vishwa Dharma
One World, One Family

UNIVERSAL MEDIA

http://universalmedia.org.in

Best Seller
₹15
ISO 9001-2015

विश्व रूपेण
श्री शिव सहस्रनामस्तोत्रम्

क्रांतिकारी विश्व संत श्री ऋषिजी

'क्वोलिटी लाईफ' के जनक

वे विश्व के रसुखवालों के आध्यात्मिक रुप से संगठित सबसे बडे नेटवर्क के मुखिया हैं, क्योंकि वे क्वोलिटी लाईफ मंत्र के जनक हैं। उनके क्वोलिटि लाईफ मंत्र से विश्व भर में बदलाव आया हैं। उनका साम्राज्य विश्व भर में फेला हुआ हैं, क्योंकि आध्यात्मिक जगत के सबसे प्रभावी स्वामी जिनके अनुयायियों की संख्या दुनिया भर में ढाई करोड़ से अधिक हैं। वे विश्व के मूल्यवान ब्रान्ड हैं ,क्योंकि उनका कारोबारी ब्रान्ड ऐसा है जिस पर विश्व आँख मूंदकर भरोसा करता हैं। वे सदैव गरिमा की मूर्ति है, क्योंकि वे भारतीय आध्यात्मिकता के पर्याय वाची हैं। वे भड़कीले लोगों के गुरु हैं, क्योंकि मीडिया मालिक से लेकर ज़हाज निर्माता, मुख्यमंत्री से लेकर प्रधानमंत्री तक सब उनके समागम में सामिल होते हैं। वे विश्व के राजनैतिक श्रेष्ठि वर्गकों निर्देशीत करनेवाली अदृश्य शक्ति हैं, क्योंकि वे आध्यात्मिक उद्योग में सबसे तेजी से बढ़ते उद्यम के प्रमुख हैं। उनकी क्रांतिकारी योजना रामबाण नुष्खा साबित हो सकती हैं। वे नई सहस्त्राब्दी के मनोहारी कृष्ण योगी हैं।

पहचान : विश्व में सर्वाधिक सुने और पढ़े जाने वाले तथा दिल और दिमाग को झकझोर कर देने वाले अद्‌भुत प्रवचन। अपनी नायाब प्रवचन शैली के लिये विश्वभरमें सर्वाधिक चर्चित और ऋषिजी के रुपमें पहचान।

मिशन : 'धक्वालिटी लाइफ' एवं गुणवत्तामय जीवन का विश्व व्यापी प्रचार-प्रसार एवं प्रशिक्षण।

भावनात्मक अपील : विश्व संदेश : UNIVERSAL MESSAGE :

सभी राष्ट्रवासियों अपने देश के लिए एकजुट राष्ट्र के तौर पर ऊंठे और पूरी सकारात्मकता के साथ स्वयं को राष्ट्र निर्माण की सफलता के प्रति समर्पित करें। अगर हम सामुहिक रुप से कमर कसकर जुट जाते है तो अवश्य राष्ट्र को विश्व की सर्वोच्च महाशक्ति बना सकते हैं। राष्ट्रहित में निजी सोच और तात्कालिन लाभ को पीछें छोड़कर हमे एक साथ आगे बढ़ना चाहिए। स्वर्ग का साम्राज्य तभी स्थापित होता है, जब विकास और व्यवस्था उसकी चरम सीमा पर हो। अगर आप राष्ट्र निर्माण के लिए कार्य कर रहे हो, तो अदृश्य शक्ति उस प्रक्रिया में हंमेशा आपको साथ देगी। इस लिए वैश्विक निर्माण करो। कुछ नया इस जगत में लाओ, जो श्रेष्ठ हो। फिर चाहे विज्ञान के द्वारा लाओ, चाहे आध्यात्मिकता के द्वारा, मगर इस जगत को स्वस्थ, स्वच्छ, साक्षर, समृध्ध, सुंदर, शांत, शाकाहार और सुसंस्कृत बनाओ। विश्व के सभी धर्म ग्रंथो का एक ही संदेश : श्रेष्ठ निर्माण. ॥ऋषि॥

विश्व निर्माण : विकास और व्यवस्था के लिए... बनो निर्माण पुरुष, विश्व निर्माण के लिए...

UNIVERSAL MEDIA

http://universalmedia.org.in

Vishwa Dharma
One World, One Family

क्रांतिकारी विश्व संत श्री ऋषिजी

'क्वोलिटी लाईफ' के जनक

वे विश्व के रसुखवालों के आध्यात्मिक रुप से संगठित सबसे बडे नेटवर्क के मुखिया हैं, क्योंकि वे क्वोलिटी लाईफ मंत्र के जनक हैं। उनके क्वोलिटि लाईफ मंत्र से विश्व भर में बदलाव आया हैं। उनका साम्राज्य विश्व भर में फेला हुआ हैं, क्योंकि आध्यात्मिक जगत के सबसे प्रभावी स्वामी जिनके अनुयायियों की संख्या दुनिया भर में ढाई करोड़ से अधिक हैं। वे विश्व के मूल्यवान ब्रान्ड हैं ,क्योंकि उनका कारोबारी ब्रान्ड ऐसा है जिस पर विश्व आँख मूंदकर भरोसा करता हैं। वे सदैव गरिमा की मूर्ति है, क्योंकि वे भारतीय आध्यात्मिकता के पर्याय वाची हैं। वे भड़कीले लोगों के गुरु हैं, क्योंकि मीडिया मालिक से लेकर ज़हाज निर्माता, मुख्यमंत्री से लेकर प्रधानमंत्री तक सब उनके समागम में सामिल होते हैं। वे विश्व के राजनैतिक श्रेष्ठि वर्गकों निर्देशीत करनेवाली अदृश्य शक्ति हैं, क्योंकि वे आध्यात्मिक उद्योग में सबसे तेजी से बढ़ते उद्यम के प्रमुख हैं। उनकी क्रांतिकारी योजना रामबाण नुष्खा साबित हो सकती हैं। वे नई सहस्त्राब्दी के मनोहारी कृष्ण योगी हैं।

पहचान : विश्व में सर्वाधिक सुने और पढ़े जाने वाले तथा दिल और दिमाग को झकझोर कर देने वाले अद्‌भुत प्रवचन। अपनी नायाब प्रवचन शैली के लिये विश्वभरमें सर्वाधिक चर्चित और ऋषिजी के रुपमें पहचान।

मिशन : 'धक्वालिटी लाइफ' एवं गुणवत्तामय जीवन का विश्व व्यापी प्रचार-प्रसार एवं प्रशिक्षण।

भावनात्मक अपील : विश्व संदेश : UNIVERSAL MESSAGE :

सभी राष्ट्रवासियों अपने देश के लिए एकजुट राष्ट्र के तौर पर ऊंठे और पूरी सकारात्मकता के साथ स्वयं को राष्ट्र निर्माण की सफलता के प्रति सर्मर्पित करें। अगर हम सामुहिक रुप से कमर कसकर जुट जाते है तो अवश्य राष्ट्र को विश्व की सर्वोच्च महाशक्ति बना सकते हैं। राष्ट्रहित में निजी सोच और तात्कालिन लाभ को पीछें छोड़कर हमे एक साथ आगे बढ़ना चाहिए। स्वर्ग का साम्राज्य तभी स्थापित होता है, जब विकास और व्यवस्था उसकी चरम सीमा पर हो। अगर आप राष्ट्र निर्माण के लिए कार्य कर रहे हो, तो अदृश्य शक्ति उस प्रक्रिया में हंमेशा आपको साथ देगी। इस लिए वैश्विक निर्माण करो। कुछ नया इस जगत में लाओ, जो श्रेष्ठ हो। फिर चाहे विज्ञान के द्वारा लाओ, चाहे आध्यात्मिकता के द्वारा, मगर इस जगत को स्वस्थ, स्वच्छ, साक्षर, समृध्ध, सुंदर, शांत, शाकाहार और सुसंस्कृत बनाओ। विश्व के सभी धर्म ग्रंथो का एक ही संदेश : श्रेष्ठ निर्माण. ॥ ऋषि ॥

विश्व निर्माण : विकास और व्यवस्था के लिए... बनो निर्माण पुरुष, विश्व निर्माण के लिए...

The Universal Religion
Vishwa Dharma
One World, One Family

आई श्री AAY SHRI
UNIVERSAL MEDIA

http://universalmedia.org.in

क्रांतिकारी विश्व संत श्री ऋषिजी

‘क्वोलिटी लाईफ’ के जनक

वे विश्व के रसुखवालों के आध्यात्मिक रुप से संगठित सबसे बडे नेटवर्क के मुखिया हैं, क्योंकि वे क्वोलिटी लाईफ मंत्र के जनक हैं। उनके क्वोलिटि लाईफ मंत्र से विश्व भर में बदलाव आया हैं। उनका साम्राज्य विश्व भर में फेला हुआ हैं, क्योंकि आध्यात्मिक जगत के सबसे प्रभावी स्वामी जिनके अनुयायियों की संख्या दुनिया भर में ढाई करोड़ से अधिक हैं। वे विश्व के मूल्यवान ब्रान्ड हैं ,क्योंकि उनका कारोबारी ब्रान्ड ऐसा है जिस पर विश्व आँख मूंदकर भरोसा करता हैं। वे सदैव गरिमा की मूर्ति है, क्योंकि वे भारतीय आध्यात्मिकता के पर्याय वाची हैं। वे भड़कीले लोगों के गुरु हैं, क्योंकि मीडिया मालिक से लेकर ज़हाज निर्माता, मुख्यमंत्री से लेकर प्रधानमंत्री तक सब उनके समागम में सामिल होते हैं। वे विश्व के राजनैतिक श्रेष्ठि वर्गकों निर्देशीत करनेवाली अदृश्य शक्ति हैं, क्योंकि वे आध्यात्मिक उद्योग में सबसे तेजी से बढ़ते उद्यम के प्रमुख हैं। उनकी क्रांतिकारी योजना रामबाण नुष्खा साबित हो सकती हैं। वे नई सहस्त्राब्दी के मनोहारी कृष्ण योगी हैं।

पहचान : विश्व में सर्वाधिक सुने और पढ़े जाने वाले तथा दिल और दिमाग को झकझोर कर देने वाले अद्‌भुत प्रवचन। अपनी नायाब प्रवचन शैली के लिये विश्वभरमें सर्वाधिक चर्चित और ऋषिजी के रुपमें पहचान।

मिशन : ‘धक्वालिटी लाइफ’ एवं गुणवत्तामय जीवन का विश्व व्यापी प्रचार–प्रसार एवं प्रशिक्षण।

भावनात्मक अपील : विश्व संदेश : UNIVERSAL MESSAGE :

सभी राष्ट्रवासियों अपने देश के लिए एकजुट राष्ट्र के तौर पर ऊंठे और पूरी सकारात्मकता के साथ स्वयं को राष्ट्र निर्माण की सफलता के प्रति सर्मपित करें। अगर हम सामुहिक रुप से कमर कसकर जुट जाते है तो अवश्य राष्ट्र को विश्व की सर्वोच्च महाशक्ति बना सकते हैं। राष्ट्रहित में निजी सोच और तात्कालिन लाभ को पीछें छोड़कर हमे एक साथ आगे बढ़ना चाहिए। स्वर्ग का साम्राज्य तभी स्थापित होता है, जब विकास और व्यवस्था उसकी चरम सीमा पर हो। अगर आप राष्ट्र निर्माण के लिए कार्य कर रहे हो, तो अदृश्य शक्ति उस प्रक्रिया में हंमेशा आपको साथ देगी। इस लिए वैश्विक निर्माण करो। कुछ नया इस जगत में लाओ, जो श्रेष्ठ हो। फिर चाहे विज्ञान के द्वारा लाओ, चाहे आध्यात्मिकता के द्वारा, मगर इस जगत को स्वस्थ, स्वच्छ, साक्षर, समृध्ध, सुंदर, शांत, शाकाहार और सुसंस्कृत बनाओ। विश्व के सभी धर्म ग्रंथो का एक ही संदेश : श्रेष्ठ निर्माण. ॥**ऋषि**॥

विश्व निर्माण : विकास और व्यवस्था के लिए... बनो निर्माण पुरुष, विश्व निर्माण के लिए...

The Universal Religion
Vishwa Dharma
One World, One Family

आई श्री AAY SHRI
UNIVERSAL MEDIA

http://universalmedia.org.in

विश्व रूपेण श्री दुर्गा सहस्रनामस्तोत्रम्

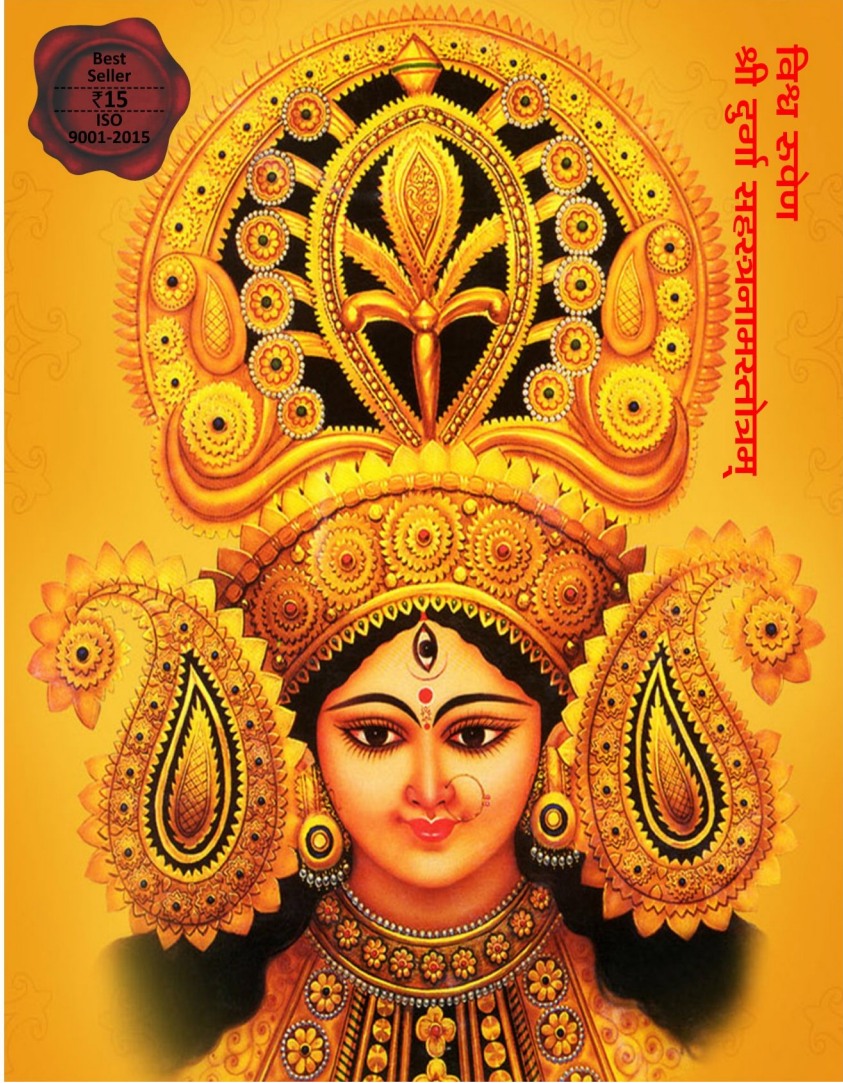

Best Seller
₹15
ISO 9001-2015

क्रांतिकारी विश्व संत श्री ऋषिजी
‘क्वोलिटी लाईफ’ के जनक

वे विश्व के रसुखवालों के आध्यात्मिक रुप से संगठित सबसे बडे नेटवर्क के मुखिया हैं, क्योंकि वे क्वोलिटी लाईफ मंत्र के जनक हैं। उनके क्वोलिटि लाईफ मंत्र से विश्व भर में बदलाव आया हैं। उनका साम्राज्य विश्व भर में फेला हुआ हैं, क्योंकि आध्यात्मिक जगत के सबसे प्रभावी स्वामी जिनके अनुयायियों की संख्या दुनिया भर में ढाई करोड़ से अधिक हैं। वे विश्व के मूल्यवान ब्रान्ड हैं ,क्योंकि उनका कारोबारी ब्रान्ड ऐसा है जिस पर विश्व आँख मूंदकर भरोसा करता हैं। वे सदैव गरिमा की मूर्ति है, क्योंकि वे भारतीय आध्यात्मिकता के पर्याय वाची हैं। वे भड़कीले लोगों के गुरु हैं, क्योंकि मीडिया मालिक से लेकर ज़हाज निर्माता, मुख्यमंत्री से लेकर प्रधानमंत्री तक सब उनके समागम में सामिल होते हैं। वे विश्व के राजनैतिक श्रेष्ठि वर्गकों निर्देशीत करनेवाली अदृश्य शक्ति हैं, क्योंकि वे आध्यात्मिक उद्योग में सबसे तेजी से बढ़ते उद्यम के प्रमुख हैं। उनकी क्रांतिकारी योजना रामबाण नुष्खा साबित हो सकती हैं। वे नई सहस्त्राब्दी के मनोहारी कृष्ण योगी हैं।

पहचान : विश्व में सर्वाधिक सुने और पढ़े जाने वाले तथा दिल और दिमाग को झकझोर कर देने वाले अद्‌भुत प्रवचन। अपनी नायाब प्रवचन शैली के लिये विश्वभरमें सर्वाधिक चर्चित और ऋषिजी के रुपमें पहचान।

मिशन : ‘धक्वालिटी लाइफ’ एवं गुणवत्तामय जीवन का विश्व व्यापी प्रचार-प्रसार एवं प्रशिक्षण।

भावनात्मक अपील : विश्व संदेश : UNIVERSAL MESSAGE :

सभी राष्ट्रवासियों अपने देश के लिए एकजुट राष्ट्र के तौर पर ऊंठे और पूरी सकारात्मकता के साथ स्वयं को राष्ट्र निर्माण की सफलता के प्रति सर्मपित करें। अगर हम सामुहिक रुप से कमर कसकर जुट जाते है तो अवश्य राष्ट्र को विश्व की सर्वोच्च महाशक्ति बना सकते हैं। राष्ट्रहित में निजी सोच और तात्कालिन लाभ को पीछें छोड़कर हमे एक साथ आगे बढ़ना चाहिए। स्वर्ग का साम्राज्य तभी स्थापित होता है, जब विकास और व्यवस्था उसकी चरम सीमा पर हो। अगर आप राष्ट्र निर्माण के लिए कार्य कर रहे हो, तो अदृश्य शक्ति उस प्रक्रिया में हंमेशा आपको साथ देगी। इस लिए वैश्विक निर्माण करो। कुछ नया इस जगत में लाओ, जो श्रेष्ठ हो। फिर चाहे विज्ञान के द्वारा लाओ, चाहे आध्यात्मिकता के द्वारा, मगर इस जगत को स्वस्थ, स्वच्छ, साक्षर, समृध्ध, सुंदर, शांत, शाकाहार और सुसंस्कृत बनाओ। विश्व के सभी धर्म ग्रंथो का एक ही संदेश : श्रेष्ठ निर्माण. ॥ऋषि॥

विश्व निर्माण : विकास और व्यवस्था के लिए... बनो निर्माण पुरुष, विश्व निर्माण के लिए...

Vishwa Dharma
One World, One Family

आई श्री AAY SHRI
UNIVERSAL MEDIA

http://universalmedia.org.in

Best Seller
₹15
ISO 9001-2015

विश्व रुपेण
श्रीराम सहस्त्रनामस्तोत्रम्

क्रांतिकारी विश्व संत श्री ऋषिजी

‘क्वोलिटी लाईफ’ के जनक

वे विश्व के रसुखवालों के आध्यात्मिक रुप से संगठित सबसे बडे नेटवर्क के मुखिया हैं, क्योंकि वे क्वोलिटी लाईफ मंत्र के जनक हैं। उनके क्वोलिटि लाईफ मंत्र से विश्व भर में बदलाव आया हैं। उनका साम्राज्य विश्व भर में फेला हुआ हैं, क्योंकि आध्यात्मिक जगत के सबसे प्रभावी स्वामी जिनके अनुयायियों की संख्या दुनिया भर में ढाई करोड़ से अधिक हैं। वे विश्व के मूल्यवान ब्रान्ड हैं ,क्योंकि उनका कारोबारी ब्रान्ड ऐसा है जिस पर विश्व आँख मूंदकर भरोसा करता हैं। वे सदैव गरिमा की मूर्ति है, क्योंकि वे भारतीय आध्यात्मिकता के पर्याय वाची हैं। वे भड़कीले लोगों के गुरु हैं, क्योंकि मीडिया मालिक से लेकर ज़हाज निर्माता, मुख्यमंत्री से लेकर प्रधानमंत्री तक सब उनके समागम में सामिल होते हैं। वे विश्व के राजनैतिक श्रेष्ठि वर्गकों निर्देशीत करनेवाली अदृश्य शक्ति हैं, क्योंकि वे आध्यात्मिक उद्योग में सबसे तेजी से बढ़ते उद्यम के प्रमुख हैं। उनकी क्रांतिकारी योजना रामबाण नुष्खा साबित हो सकती हैं। वे नई सहस्त्राब्दी के मनोहारी कृष्ण योगी हैं।

पहचान : विश्व में सर्वाधिक सुने और पढ़े जाने वाले तथा दिल और दिमाग को झकझोर कर देने वाले अद्‌भुत प्रवचन। अपनी नायाब प्रवचन शैली के लिये विश्वभरमें सर्वाधिक चर्चित और ऋषिजी के रुपमें पहचान।

मिशन : ‘धक्वालिटी लाइफ’ एवं गुणवत्तामय जीवन का विश्व व्यापी प्रचार-प्रसार एवं प्रशिक्षण।

भावनात्मक अपील : विश्व संदेश : UNIVERSAL MESSAGE **:**

सभी राष्ट्रवासियों अपने देश के लिए एकजुट राष्ट्र के तौर पर ऊंठे और पूरी सकारात्मकता के साथ स्वयं को राष्ट्र निर्माण की सफलता के प्रति समर्पित करें। अगर हम सामुहिक रुप से कमर कसकर जुट जाते है तो अवश्य राष्ट्र को विश्व की सर्वोच्च महाशक्ति बना सकते हैं। राष्ट्रहित में निजी सोच और तात्कालिन लाभ को पीछें छोड़कर हमे एक साथ आगे बढ़ना चाहिए। स्वर्ग का साम्राज्य तभी स्थापित होता है, जब विकास और व्यवस्था उसकी चरम सीमा पर हो। अगर आप राष्ट्र निर्माण के लिए कार्य कर रहे हो, तो अदृश्य शक्ति उस प्रक्रिया में हंमेशा आपको साथ देगी। इस लिए वैश्विक निर्माण करो। कुछ नया इस जगत में लाओ, जो श्रेष्ठ हो। फिर चाहे विज्ञान के द्वारा लाओ, चाहे आध्यात्मिकता के द्वारा, मगर इस जगत को स्वस्थ, स्वच्छ, साक्षर, समृध्ध, सुंदर, शांत, शाकाहार और सुसंस्कृत बनाओ। विश्व के सभी धर्म ग्रंथो का एक ही संदेश : श्रेष्ठ निर्माण. ॥ ऋषि ॥

विश्व निर्माण : विकास और व्यवस्था के लिए... बनो निर्माण पुरुष, विश्व निर्माण के लिए...

The Universal Religion
Vishwa Dharma
One World, One Family
॥ आई श्री AAY SHRI ॥
UNIVERSAL MEDIA
http://universalmedia.org.in

Best Seller
₹15
ISO
9001-2015

श्री कृष्ण सहस्त्रनामस्तोत्रम्

विश्व ऋषि

क्रांतिकारी विश्व संत श्री ऋषिजी

‘क्वोलिटी लाईफ’ के जनक

वे विश्व के रसुखवालों के आध्यात्मिक रुप से संगठित सबसे बडे नेटवर्क के मुखिया हैं, क्योंकि वे क्वोलिटी लाईफ मंत्र के जनक हैं। उनके क्वोलिटि लाईफ मंत्र से विश्व भर में बदलाव आया हैं। उनका साम्राज्य विश्व भर में फेला हुआ हैं, क्योंकि आध्यात्मिक जगत के सबसे प्रभावी स्वामी जिनके अनुयायियों की संख्या दुनिया भर में ढाई करोड़ से अधिक हैं। वे विश्व के मूल्यवान ब्रान्ड हैं ,क्योंकि उनका कारोबारी ब्रान्ड ऐसा है जिस पर विश्व आँख मूंदकर भरोसा करता हैं। वे सदैव गरिमा की मूर्ति है, क्योंकि वे भारतीय आध्यात्मिकता के पर्याय वाची हैं। वे भड़कीले लोगों के गुरु हैं, क्योंकि मीडिया मालिक से लेकर ज़हाज निर्माता, मुख्यमंत्री से लेकर प्रधानमंत्री तक सब उनके समागम में सामिल होते हैं। वे विश्व के राजनैतिक श्रेष्ठि वर्गकों निर्देशीत करनेवाली अदृश्य शक्ति हैं, क्योंकि वे आध्यात्मिक उद्योग में सबसे तेजी से बढ़ते उद्यम के प्रमुख हैं। उनकी क्रांतिकारी योजना रामबाण नुष्खा साबित हो सकती हैं। वे नई सहस्त्राब्दी के मनोहारी कृष्ण योगी हैं।

पहचान : विश्व में सर्वाधिक सुने और पढ़े जाने वाले तथा दिल और दिमाग को झकझोर कर देने वाले अद्‌भुत प्रवचन। अपनी नायाब प्रवचन शैली के लिये विश्वभरमें सर्वाधिक चर्चित और ऋषिजी के रुपमें पहचान।

मिशन : ‘धक्वालिटी लाइफ’ एवं गुणवत्तामय जीवन का विश्व व्यापी प्रचार–प्रसार एवं प्रशिक्षण।

भावनात्मक अपील : विश्व संदेश : UNIVERSAL MESSAGE :

सभी राष्ट्रवासियों अपने देश के लिए एकजुट राष्ट्र के तौर पर ऊंठे और पूरी सकारात्मकता के साथ स्वयं को राष्ट्र निर्माण की सफलता के प्रति सर्मपित करें। अगर हम सामुहिक रुप से कमर कसकर जुट जाते है तो अवश्य राष्ट्र को विश्व की सर्वोच्च महाशक्ति बना सकते हैं। राष्ट्रहित में निजी सोच और तात्कालिन लाभ को पीछें छोड़कर हमे एक साथ आगे बढ़ना चाहिए। स्वर्ग का साम्राज्य तभी स्थापित होता है, जब विकास और व्यवस्था उसकी चरम सीमा पर हो। अगर आप राष्ट्र निर्माण के लिए कार्य कर रहे हो, तो अदृश्य शक्ति उस प्रक्रिया में हंमेशा आपको साथ देगी। इस लिए वैश्विक निर्माण करो। कुछ नया इस जगत में लाओ, जो श्रेष्ठ हो। फिर चाहे विज्ञान के द्वारा लाओ, चाहे आध्यात्मिकता के द्वारा, मगर इस जगत को स्वस्थ, स्वच्छ, साक्षर, समृध्ध, सुंदर, शांत, शाकाहार और सुसंस्कृत बनाओ। विश्व के सभी धर्म ग्रंथो का एक ही संदेश : श्रेष्ठ निर्माण. ॥ऋषि॥

विश्व निर्माण : विकास और व्यवस्था के लिए... बनो निर्माण पुरुष, विश्व निर्माण के लिए...

The Universal Religion

Vishwa Dharma

One World, One Family

आई श्री AAY SHRI

UNIVERSAL MEDIA

http://universalmedia.org.in

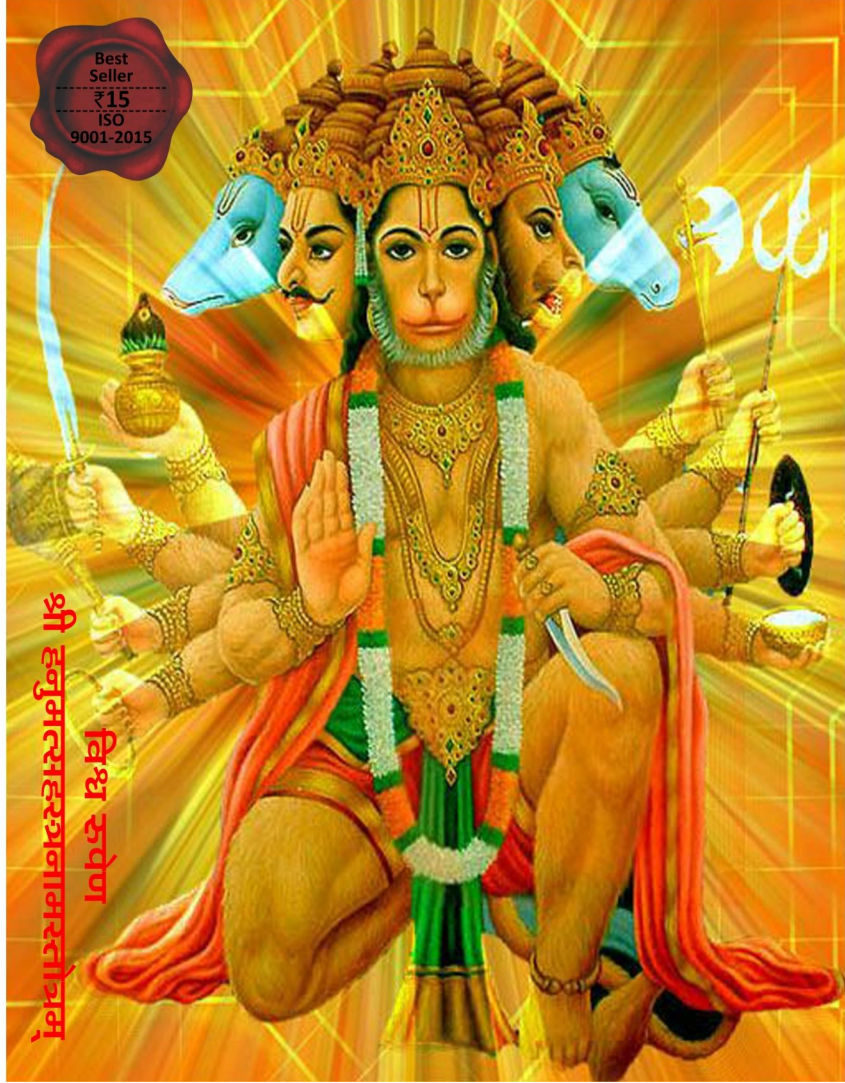

The Quality Life के प्रणेता विश्व संत श्री ऋषिजी क्रांति धर्मी क्यों ?

ऋषिजी हमारे युग के संबुद्ध रहस्यदर्शी है, जो अपने क्रांतीकारी विचारो के कारण दुनिया में सर्वाधिक चर्चित है । उनके जीवन दर्शन के अनुसार मनुष्य जाति को विनाश से बचाने का अब एक ही उपाय बचा है, मनुष्य ध्यान की और उन्मुख हो । उसका एक-एक पल आनंद पूर्ण हो, उत्सव पूर्ण हो । भविष्य का नया मनुष्य भौतिक समृद्धि तथा आंतरिक समृद्धि दोनोमें सामजस्य बनाये, तभी वह एक पूर्ण मनुष्य हो सकेगा ।

आज तक अनेक संत हुए इस राष्ट्र में, लेकिन विश्व संत कोई नहीं हुआ । विश्व संत होने के लिए जरूरत है एक विशेष आग की, वह आग जो समाज की विषमताओं और विसंगतियों को जलाकर राख कर दे । अब वर्षो बाद राष्ट्रको अप्रितम संत श्री ऋषिजी की शक्ल में वह आग मिली है । जब **14** वर्ष की अल्पायु में उन्होंने आत्मज्ञान प्राप्त कर लिया था तब कौन यह कल्पना कर पाया था कि यह बालक आगे चलकर अपने क्रांतिकारी विचारो से समूचे राष्ट्र को झकझोर कर रख देगा । इस क्रांतिधर्मि अग्निपुरुषने एक लम्बा सफर तय कीया है । आज यह अग्नि-शलाका पुरुष अपनी प्रसिद्धि की पराकाष्टा पर है । और जन-जन के मन-मस्तिष्क पर बैठे ऋषिजी एक एसे संत है, जिन्होंने अपने शब्दबाण से विश्व विचार सागर में कोटिशः तरंगे छोड़ी है । उन तरंगोने ठ्हरे हुए पानी में ज्वार पैदा किया है, उन्होनें लाखो लोगों के मस्तिष्क को झंकृत कर दिया है । अंधकार में राह से भटके लोगों को निंद्रा से जगाकर भीतर के नारायण से साक्षात्कार करवाया है । अपनी क्रांतिकारी विचारधारा और कार्यों के कारण विश्व संत के नाम से विख्यात ऋषिजीने धर्म और समाजकी चंहुमुखी उन्नति के लिये परम्पराएं तोड़कर भी अनेक एसे कार्य किये है जिनके दूरगामी सुखद परिणाम नजर आ रहे है । इस कार्य को क्रांतिकारी व्यक्तित्व वाला कोई संत ही बेहतर ढंग से कर सकता है । अपने शब्दों की पैनी धार से मिथ्या मान्यताओं एवं परम्पराओं को खंड़-खंड़ करके रख दिया है ।

विश्वसंत के चिंतन में जहां एक ओर वैचारिक क्रान्ति की अनुगूंज है, वही दूसरी ओर इंसान की जिन्दगी को खूबसूरत और सुखद बनाने की आत्मीय-प्रेरणा भी है । हां, आज ऋषिजी बाजार और चौराहे पर खड़े हो गये है, ताकि आज के विसंगति भरे समाज को एक नई दिशा दिखा सकें । समाज का नूतन निर्माण के लिए ऋषिजी जैसे क्रांतिधर्मी तथा समाज दिग्दर्शकों की महती आवश्यक्ता है । इसमें अभिनव प्राण फूंकने के लिए हमें एसे ही संत चाहीए । ऋषिजी भारत के विभिन्न प्रान्तो में प्रवचन देते है । उनके लेखन और प्रवचन के माध्मय से हजारो लोगो का जीवन परिवर्तित हुआ है ।

आई श्री AAY SHRI
UNIVERSAL MEDIA
Vishwa Dharma
One World, One Family
http://universalmedia.org.in

Best Seller
₹15
ISO 9001-2015

विश्व वाणी

एक संबुद्ध सदगुरु श्री विश्व संत की आत्मवाणी

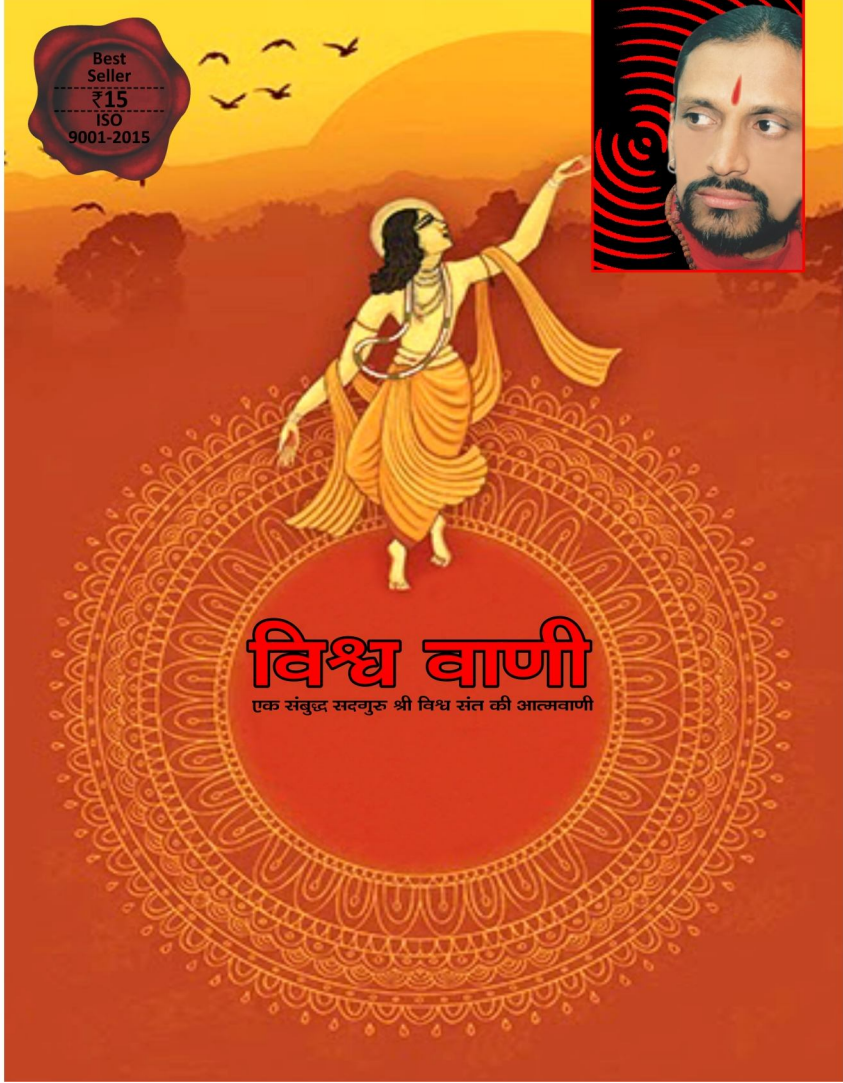

The Quality Life के प्रणेता **विश्व संत श्री ऋषिजी क्रांति धर्मी क्यों ?**

ऋषिजी हमारे युग के संबुद्ध रहस्यदर्शी है, जो अपने क्रांतीकारी विचारो के कारण दुनिया में सर्वाधिक चर्चित है। उनके जीवन दर्शन के अनुसार मनुष्य जाति को विनाश से बचाने का अब एक ही उपाय बचा है, मनुष्य ध्यान की और उन्मुख हो। उसका एक-एक पल आनंद पूर्ण हो, उत्सव पूर्ण हो। भविष्य का नया मनुष्य भौतिक समृद्धि तथा आंतरिक समृद्धि दोनोमें सामजस्य बनाये, तभी वह एक पूर्ण मनुष्य हो सकेगा।

आज तक अनेक संत हुए इस राष्ट्र में, लेकिन विश्व संत कोई नहीं हुआ। विश्व संत होने के लिए जरूरत है एक विशेष आग की, वह आग जो समाज की विषमताओं और विसंगतियों को जलाकर राख कर दे। अब वर्षो बाद राष्ट्रको अप्रितम संत श्री ऋषिजी की शक्ल में वह आग मिली है। जब **14** वर्ष की अल्पायु में उन्होंने आत्मज्ञान प्राप्त कर लिया था तब कौन यह कल्पना कर पाया था कि यह बालक आगे चलकर अपने क्रांतिकारी विचारो से समूचे राष्ट्र को झकझोर कर रख देगा। इस क्रांतिधर्मि अग्निपुरुषने एक लम्बा सफर तय कीया है। आज यह अग्नि-शलाका पुरुष अपनी प्रसिद्धि की पराकाष्टा पर है। और जन-जन के मन-मस्तिष्क पर बैठे ऋषिजी एक एसे संत है, जिन्होंने अपने शब्दबाण से विश्व विचार सागर में कोटिशः तरंगे छोड़ी है। उन तरंगोने ठ्हरे हुए पानी में ज्वार पैदा किया है, उन्होनें लाखो लोगों के मस्तिष्क को झंकृत कर दिया है। अंधकार में राह से भटके लोगों को निंद्रा से जगाकर भीतर के नारायण से साक्षात्कार करवाया है। अपनी क्रांतिकारी विचारधारा और कार्यों के कारण विश्व संत के नाम से विख्यात ऋषिजीने धर्म और समाजकी चंहुमुखी उन्नति के लिये परम्पराएं तोड़कर भी अनेक एसे कार्य किये है जिनके दूरगामी सुखद परिणाम नजर आ रहे है। इस कार्य को क्रांतिकारी व्यक्तित्व वाला कोई संत ही बेहतर ढंग से कर सकता है। अपने शब्दों की पैनी धार से मिथ्या मान्यताओं एवं परम्पराओं को खंड़-खंड़ करके रख दिया है।

विश्वसंत के चिंतन में जहां एक ओर वैचारिक क्रान्ति की अनुगूंज है, वही दूसरी ओर इंसान की जिन्दगी को खूबसूरत और सुखद बनाने की आत्मीय-प्रेरणा भी है। हां, आज ऋषिजी बाजार और चौराहे पर खड़े हो गये है, ताकि आज के विसंगति भरे समाज को एक नई दिशा दिखा सकें। समाज का नूतन निर्माण के लिए ऋषिजी जैसे क्रांतिधर्मी तथा समाज दिग्दर्शकों की महती आवश्यक्ता है। इसमें अभिनव प्राण फूंकने के लिए हमें एसे ही संत चाहीए। ऋषिजी भारत के विभिन्न प्रान्तो में प्रवचन देते है। उनके लेखन और प्रवचन के माध्मय से हजारो लोगो का जीवन परिवर्तित हुआ है।

आई श्री AAY SHRI
UNIVERSAL MEDIA
Vishwa Dharma
One World, One Family
http://universalmedia.org.in

Best Seller
₹15
ISO 9001-2015

वैदिक संस्कार

वैश्विक संस्कृति : वैज्ञानिक विश्लेषण

The Quality Life के प्रणेता विश्व संत श्री ऋषिजी क्रांति धर्मी क्यों ?

ऋषिजी हमारे युग के संबुद्ध रहस्यदर्शी है, जो अपने क्रांतीकारी विचारो के कारण दुनिया में सर्वाधिक चर्चित है। उनके जीवन दर्शन के अनुसार मनुष्य जाति को विनाश से बचाने का अब एक ही उपाय बचा है, मनुष्य ध्यान की और उन्मुख हो। उसका एक-एक पल आनंद पूर्ण हो, उत्सव पूर्ण हो। भविष्य का नया मनुष्य भौतिक समृद्धि तथा आंतरिक समृद्धि दोनोमें सामजस्य बनाये, तभी वह एक पूर्ण मनुष्य हो सकेगा।

आज तक अनेक संत हुए इस राष्ट्र में, लेकिन विश्व संत कोई नहीं हुआ। विश्व संत होने के लिए जरूरत है एक विशेष आग की, वह आग जो समाज की विषमताओं और विसंगतियों को जलाकर राख कर दे। अब वर्षो बाद राष्ट्रको अप्रितम संत श्री ऋषिजी की शक्ल में वह आग मिली है। जब **14** वर्ष की अल्पायु में उन्होंने आत्मज्ञान प्राप्त कर लिया था तब कौन यह कल्पना कर पाया था कि यह बालक आगे चलकर अपने क्रांतिकारी विचारो से समूचे राष्ट्र को झकझोर कर रख देगा। इस क्रांतिधर्मि अग्निपुरुषने एक लम्बा सफर तय कीया है। आज यह अग्नि-शलाका पुरुष अपनी प्रसिद्धि की पराकाष्टा पर है। और जन-जन के मन-मस्तिष्क पर बैठे ऋषिजी एक एसे संत है, जिन्होंने अपने शब्दबाण से विश्व विचार सागर में कोटिशः तरंगे छोड़ी है। उन तरंगोने ठ्हरे हुए पानी में ज्वार पैदा किया है, उन्होनें लाखो लोगों के मस्तिष्क को झंकृत कर दिया है। अंधकार में राह से भटके लोगों को निंद्रा से जगाकर भीतर के नारायण से साक्षात्कार करवाया है। अपनी क्रांतिकारी विचारधारा और कार्यों के कारण विश्व संत के नाम से विख्यात ऋषिजीने धर्म और समाजकी चंहुमुखी उन्नति के लिये परम्पराएं तोड़कर भी अनेक एसे कार्य किये है जिनके दूरगामी सुखद परिणाम नजर आ रहे है। इस कार्य को क्रांतिकारी व्यक्तित्व वाला कोई संत ही बेहतर ढंग से कर सकता है। अपने शब्दों की पैनी धार से मिथ्या मान्यताओं एवं परम्पराओं को खंड़-खंड़ करके रख दिया है।

विश्वसंत के चिंतन में जहां एक ओर वैचारिक क्रान्ति की अनुगूंज है, वही दूसरी ओर इंसान की जिन्दगी को खूबसूरत और सुखद बनाने की आत्मीय-प्रेरणा भी है। हां, आज ऋषिजी बाजार और चौराहे पर खड़े हो गये है, ताकि आज के विसंगति भरे समाज को एक नई दिशा दिखा सकें। समाज का नूतन निर्माण के लिए ऋषिजी जैसे क्रांतिधर्मी तथा समाज दिग्दर्शकों की महती आवश्यक्ता है। इसमें अभिनव प्राण फूंकने के लिए हमें एसे ही संत चाहीए। ऋषिजी भारत के विभिन्न प्रान्तो में प्रवचन देते है। उनके लेखन और प्रवचन के माध्मय से हजारो लोगो का जीवन परिवर्तित हुआ है।

UNIVERSAL MEDIA
Vishwa Dharma
http://universalmedia.org.in

वैदिक संस्कृति

वैश्विक संस्कार : वैज्ञानिक विश्लेषण

The Quality Life के प्रणेता विश्व संत श्री ऋषिजी क्रांति धर्मी क्यों ?

ऋषिजी हमारे युग के संबुद्ध रहस्यदर्शी है, जो अपने क्रांतीकारी विचारो के कारण दुनिया में सर्वाधिक चर्चित है । उनके जीवन दर्शन के अनुसार मनुष्य जाति को विनाश से बचाने का अब एक ही उपाय बचा है, मनुष्य ध्यान की और उन्मुख हो । उसका एक-एक पल आनंद पूर्ण हो, उत्सव पूर्ण हो । भविष्य का नया मनुष्य भौतिक समृद्धि तथा आंतरिक समृद्धि दोनोमें सामजस्य बनाये, तभी वह एक पूर्ण मनुष्य हो सकेगा ।

आज तक अनेक संत हुए इस राष्ट्र में, लेकिन विश्व संत कोई नहीं हुआ । विश्व संत होने के लिए जरूरत है एक विशेष आग की, वह आग जो समाज की विषमताओं और विसंगतियों को जलाकर राख कर दे । अब वर्षो बाद राष्ट्रको अप्रितम संत श्री ऋषिजी की शक्ल में वह आग मिली है । जब 14 वर्ष की अल्पायु में उन्होंने आत्मज्ञान प्राप्त कर लिया था तब कौन यह कल्पना कर पाया था कि यह बालक आगे चलकर अपने क्रांतिकारी विचारो से समूचे राष्ट्र को झकझोर कर रख देगा । इस क्रांतिधर्मि अग्निपुरुषने एक लम्बा सफर तय कीया है । आज यह अग्नि-शलाका पुरुष अपनी प्रसिद्धि की पराकाष्ठा पर है । और जन-जन के मन-मस्तिष्क पर बैठे ऋषिजी एक एसे संत है, जिन्होंने अपने शब्दबाण से विश्व विचार सागर में कोटिशः तरंगे छोड़ी है । उन तरंगोने ठहरे हुए पानी में ज्वार पैदा किया है, उन्होनें लाखो लोगों के मस्तिष्क को झंकृत कर दिया है । अंधकार में राह से भटके लोगों को निंद्रा से जगाकर भीतर के नारायण से साक्षात्कार करवाया है । अपनी क्रांतिकारी विचारधारा और कार्यों के कारण विश्व संत के नाम से विख्यात ऋषिजीने धर्म और समाजकी चंहुमुखी उन्नति के लिये परम्पराएं तोड़कर भी अनेक एसे कार्य किये है जिनके दूरगामी सुखद परिणाम नजर आ रहे है । इस कार्य को क्रांतिकारी व्यक्तित्व वाला कोई संत ही बेहतर ढंग से कर सकता है । अपने शब्दों की पैनी धार से मिथ्या मान्यताओं एवं परम्पराओं को खंड़-खंड़ करके रख दिया है ।

विश्वसंत के चिंतन में जहां एक ओर वैचारिक क्रान्ति की अनुगूंज है, वही दूसरी ओर इंसान की जिन्दगी को खूबसूरत और सुखद बनाने की आत्मीय-प्रेरणा भी है । हां, आज ऋषिजी बाजार और चौराहे पर खड़े हो गये है, ताकि आज के विसंगति भरे समाज को एक नई दिशा दिखा सकें । समाज का नूतन निर्माण के लिए ऋषिजी जैसे क्रांतिधर्मी तथा समाज दिग्दर्शकों की महती आवश्यक्ता है । इसमें अभिनव प्राण फूंकने के लिए हमें एसे ही संत चाहीए । ऋषिजी भारत के विभिन्न प्रान्तो में प्रवचन देते है । उनके लेखन और प्रवचन के माध्यम से हजारो लोगो का जीवन परिवर्तित हुआ है ।

UNIVERSAL MEDIA
http://universalmedia.org.in

The Quality Life के प्रणेता विश्व संत श्री ऋषिजी क्रांति धर्मी क्यों ?

ऋषिजी हमारे युग के संबुद्ध रहस्यदर्शी है, जो अपने क्रांतीकारी विचारो के कारण दुनिया में सर्वाधिक चर्चित है । उनके जीवन दर्शन के अनुसार मनुष्य जाति को विनाश से बचाने का अब एक ही उपाय बचा है, मनुष्य ध्यान की और उन्मुख हो । उसका एक-एक पल आनंद पूर्ण हो, उत्सव पूर्ण हो । भविष्य का नया मनुष्य भौतिक समृद्धि तथा आंतरिक समृद्धि दोनोमें सामजस्य बनाये, तभी वह एक पूर्ण मनुष्य हो सकेगा ।

आज तक अनेक संत हुए इस राष्ट्र में, लेकिन विश्व संत कोई नहीं हुआ । विश्व संत होने के लिए जरूरत है एक विशेष आग की, वह आग जो समाज की विषमताओं और विसंगतियों को जलाकर राख कर दे । अब वर्षो बाद राष्ट्रको अप्रितम संत श्री ऋषिजी की शक्ल में वह आग मिली है । जब **14** वर्ष की अल्पायु में उन्होंने आत्मज्ञान प्राप्त कर लिया था तब कौन यह कल्पना कर पाया था कि यह बालक आगे चलकर अपने क्रांतिकारी विचारो से समूचे राष्ट्र को झकझोर कर रख देगा । इस क्रांतिधर्मि अग्निपुरुषने एक लम्बा सफर तय कीया है । आज यह अग्नि-शलाका पुरुष अपनी प्रसिद्धि की पराकाष्टा पर है । और जन-जन के मन-मस्तिष्क पर बैठे ऋषिजी एक एसे संत है, जिन्होंने अपने शब्दबाण से विश्व विचार सागर में कोटिशः तरंगे छोड़ी है । उन तरंगोने व्हरे हुए पानी में ज्वार पैदा किया है, उन्होनें लाखो लोगों के मस्तिष्क को झंकृत कर दिया है । अंधकार में राह से भटके लोगों को निंद्रा से जगाकर भीतर के नारायण से साक्षात्कार करवाया है । अपनी क्रांतिकारी विचारधारा और कार्यों के कारण विश्व संत के नाम से विख्यात ऋषिजीने धर्म और समाजकी चंहुमुखी उन्नति के लिये परम्पराएं तोड़कर भी अनेक एसे कार्य किये है जिनके दूरगामी सुखद परिणाम नजर आ रहे है । इस कार्य को क्रांतिकारी व्यक्तित्व वाला कोई संत ही बेहतर ढंग से कर सकता है । अपने शब्दों की पैनी धार से मिथ्या मान्यताओं एवं परम्पराओं को खंड़-खंड़ करके रख दिया है ।

विश्वसंत के चिंतन में जहां एक ओर वैचारिक क्रान्ति की अनुगूंज है, वही दूसरी ओर इंसान की जिन्दगी को खूबसूरत और सुखद बनाने की आत्मीय-प्रेरणा भी है । हां, आज ऋषिजी बाजार और चौराहे पर खड़े हो गये है, ताकि आज के विसंगति भरे समाज को एक नई दिशा दिखा सकें । समाज का नूतन निर्माण के लिए ऋषिजी जैसे क्रांतिधर्मी तथा समाज दिग्दर्शकों की महती आवश्यक्ता है । इसमें अभिनव प्राण फूंकने के लिए हमें एसे ही संत चाहीए । ऋषिजी भारत के विभिन्न प्रान्तो में प्रवचन देते है । उनके लेखन और प्रवचन के माध्मय से हजारो लोगो का जीवन परिवर्तित हुआ है ।

|| आई श्री AAY SHRI ||
UNIVERSAL MEDIA
Vishwa Dharma
One World, One Family
http://universalmedia.org.in
4770162706008

The Quality Life के प्रणेता विश्व संत श्री ऋषिजी क्रांति धर्मी क्यों ?

ऋषिजी हमारे युग के संबुद्ध रहस्यदर्शी है, जो अपने क्रांतीकारी विचारो के कारण दुनिया में सर्वाधिक चर्चित है । उनके जीवन दर्शन के अनुसार मनुष्य जाति को विनाश से बचाने का अब एक ही उपाय बचा है, मनुष्य ध्यान की और उन्मुख हो । उसका एक-एक पल आनंद पूर्ण हो, उत्सव पूर्ण हो । भविष्य का नया मनुष्य भौतिक समृद्धि तथा आंतरिक समृद्धि दोनोमें सामजस्य बनाये, तभी वह एक पूर्ण मनुष्य हो सकेगा ।

आज तक अनेक संत हुए इस राष्ट्र में, लेकिन विश्व संत कोई नहीं हुआ । विश्व संत होने के लिए जरूरत है एक विशेष आग की, वह आग जो समाज की विषमताओं और विसंगतियों को जलाकर राख कर दे । अब वर्षो बाद राष्ट्रको अप्रितम संत श्री ऋषिजी की शक्ल में वह आग मिली है । जब **14** वर्ष की अल्पायु में उन्होंने आत्मज्ञान प्राप्त कर लिया था तब कौन यह कल्पना कर पाया था कि यह बालक आगे चलकर अपने क्रांतिकारी विचारो से समूचे राष्ट्र को झकझोर कर रख देगा । इस क्रांतिधर्मि अग्निपुरुषने एक लम्बा सफर तय कीया है । आज यह अग्नि-शलाका पुरुष अपनी प्रसिद्धि की पराकाष्टा पर है । और जन-जन के मन-मस्तिष्क पर बैठे ऋषिजी एक एसे संत है, जिन्होंने अपने शब्दबाण से विश्व विचार सागर में कोटिशः तरंगे छोड़ी है । उन तरंगोने ठ्हरे हुए पानी में ज्वार पैदा किया है, उन्होनें लाखो लोगों के मस्तिष्क को झंकृत कर दिया है । अंधकार में राह से भटके लोगों को निंद्रा से जगाकर भीतर के नारायण से साक्षात्कार करवाया है । अपनी क्रांतिकारी विचारधारा और कार्यों के कारण विश्व संत के नाम से विख्यात ऋषिजीने धर्म और समाजकी चंहुमुखी उन्नति के लिये परम्पराएं तोड़कर भी अनेक एसे कार्य किये है जिनके दूरगामी सुखद परिणाम नजर आ रहे है । इस कार्य को क्रांतिकारी व्यक्तित्व वाला कोई संत ही बेहतर ढंग से कर सकता है । अपने शब्दों की पैनी धार से मिथ्या मान्यताओं एवं परम्पराओं को खंड़-खंड़ करके रख दिया है ।

विश्वसंत के चिंतन में जहां एक ओर वैचारिक क्रान्ति की अनुगूंज है, वही दूसरी ओर इंसान की जिन्दगी को खूबसूरत और सुखद बनाने की आत्मीय-प्रेरणा भी है । हां, आज ऋषिजी बाजार और चौराहे पर खड़े हो गये है, ताकि आज के विसंगति भरे समाज को एक नई दिशा दिखा सकें । समाज का नूतन निर्माण के लिए ऋषिजी जैसे क्रांतिधर्मी तथा समाज दिग्दर्शकों की महती आवश्यक्ता है । इसमें अभिनव प्राण फूंकने के लिए हमें एसे ही संत चाहीए । ऋषिजी भारत के विभिन्न प्रान्तो में प्रवचन देते है । उनके लेखन और प्रवचन के माध्मय से हजारो लोगो का जीवन परिवर्तित हुआ है ।

आई श्री AAY SHRI
UNIVERSAL MEDIA
Vishwa Dharma
One World, One Family
http://universalmedia.org.in

The Quality Life के प्रणेता विश्व संत श्री ऋषिजी क्रांति धर्मी क्यों ?

ऋषिजी हमारे युग के संबुद्ध रहस्यदर्शी है, जो अपने क्रांतीकारी विचारो के कारण दुनिया में सर्वाधिक चर्चित है । उनके जीवन दर्शन के अनुसार मनुष्य जाति को विनाश से बचाने का अब एक ही उपाय बचा है, मनुष्य ध्यान की और उन्मुख हो । उसका एक-एक पल आनंद पूर्ण हो, उत्सव पूर्ण हो । भविष्य का नया मनुष्य भौतिक समृद्धि तथा आंतरिक समृद्धि दोनोमें सामजस्य बनाये, तभी वह एक पूर्ण मनुष्य हो सकेगा ।

आज तक अनेक संत हुए इस राष्ट्र में, लेकिन विश्व संत कोई नहीं हुआ । विश्व संत होने के लिए जरूरत है एक विशेष आग की, वह आग जो समाज की विषमताओं और विसंगतियों को जलाकर राख कर दे । अब वर्षो बाद राष्ट्रको अप्रितम संत श्री ऋषिजी की शक्ल में वह आग मिली है । जब 14 वर्ष की अल्पायु में उन्होंने आत्मज्ञान प्राप्त कर लिया था तब कौन यह कल्पना कर पाया था कि यह बालक आगे चलकर अपने क्रांतिकारी विचारो से समूचे राष्ट्र को झकझोर कर रख देगा । इस क्रांतिधर्मि अग्निपुरुषने एक लम्बा सफर तय कीया है । आज यह अग्नि-शलाका पुरुष अपनी प्रसिद्धि की पराकाष्ठा पर है । और जन-जन के मन-मस्तिष्क पर बैठे ऋषिजी एक एसे संत है, जिन्होंने अपने शब्दबाण से विश्व विचार सागर में कोटिशः तरंगे छोड़ी है । उन तरंगोने ठहरे हुए पानी में ज्वार पैदा किया है, उन्होनें लाखो लोगों के मस्तिष्क को झंकृत कर दिया है । अंधकार में राह से भटके लोगों को निंद्रा से जगाकर भीतर के नारायण से साक्षात्कार करवाया है । अपनी क्रांतिकारी विचारधारा और कार्यों के कारण विश्व संत के नाम से विख्यात ऋषिजीने धर्म और समाजकी चंहुमुखी उन्नति के लिये परम्पराएं तोड़कर भी अनेक एसे कार्य किये है जिनके दूरगामी सुखद परिणाम नजर आ रहे है । इस कार्य को क्रांतिकारी व्यक्तित्व वाला कोई संत ही बेहतर ढंग से कर सकता है । अपने शब्दों की पैनी धार से मिथ्या मान्यताओं एवं परम्पराओं को खंड़-खंड़ करके रख दिया है ।

विश्वसंत के चिंतन में जहां एक ओर वैचारिक क्रान्ति की अनुगूंज है, वही दूसरी ओर इंसान की जिन्दगी को खूबसूरत और सुखद बनाने की आत्मीय-प्रेरणा भी है । हां, आज ऋषिजी बाजार और चौराहे पर खड़े हो गये है, ताकि आज के विसंगति भरे समाज को एक नई दिशा दिखा सकें । समाज का नूतन निर्माण के लिए ऋषिजी जैसे क्रांतिधर्मी तथा समाज दिग्दर्शकों की महती आवश्यक्ता है । इसमें अभिनव प्राण फूंकने के लिए हमें एसे ही संत चाहीए । ऋषिजी भारत के विभिन्न प्रान्तो में प्रवचन देते है । उनके लेखन और प्रवचन के माध्यम से हजारो लोगो का जीवन परिवर्तित हुआ है ।

UNIVERSAL MEDIA
http://universalmedia.org.in

The Quality Life के प्रणेता विश्व संत श्री ऋषिजी क्रांति धर्मी क्यों ?

ऋषिजी हमारे युग के संबुद्ध रहस्यदर्शी है, जो अपने क्रांतीकारी विचारो के कारण दुनिया में सर्वाधिक चर्चित है । उनके जीवन दर्शन के अनुसार मनुष्य जाति को विनाश से बचाने का अब एक ही उपाय बचा है, मनुष्य ध्यान की और उन्मुख हो । उसका एक-एक पल आनंद पूर्ण हो, उत्सव पूर्ण हो । भविष्य का नया मनुष्य भौतिक समृद्धि तथा आंतरिक समृद्धि दोनोमें सामजस्य बनाये, तभी वह एक पूर्ण मनुष्य हो सकेगा ।

आज तक अनेक संत हुए इस राष्ट्र में, लेकिन विश्व संत कोई नहीं हुआ । विश्व संत होने के लिए जरूरत है एक विशेष आग की, वह आग जो समाज की विषमताओं और विसंगतियों को जलाकर राख कर दे । अब वर्षो बाद राष्ट्रको अप्रितम संत श्री ऋषिजी की शक्ल में वह आग मिली है । जब 14 वर्ष की अल्पायु में उन्होंने आत्मज्ञान प्राप्त कर लिया था तब कौन यह कल्पना कर पाया था कि यह बालक आगे चलकर अपने क्रांतिकारी विचारो से समूचे राष्ट्र को झकझोर कर रख देगा । इस क्रांतिधर्मि अग्निपुरुषने एक लम्बा सफर तय कीया है । आज यह अग्नि-शलाका पुरुष अपनी प्रसिद्धि की पराकाष्ठा पर है । और जन-जन के मन-मस्तिष्क पर बैठे ऋषिजी एक एसे संत है, जिन्होंने अपने शब्दबाण से विश्व विचार सागर में कोटिशः तरंगे छोड़ी है । उन तरंगोने ठहरे हुए पानी में ज्वार पैदा किया है, उन्होनें लाखो लोगों के मस्तिष्क को झंकृत कर दिया है । अंधकार में राह से भटके लोगों को निंद्रा से जगाकर भीतर के नारायण से साक्षात्कार करवाया है । अपनी क्रांतिकारी विचारधारा और कार्यों के कारण विश्व संत के नाम से विख्यात ऋषिजीने धर्म और समाजकी चंहुमुखी उन्नति के लिये परम्पराएं तोड़कर भी अनेक एसे कार्य किये है जिनके दूरगामी सुखद परिणाम नजर आ रहे है । इस कार्य को क्रांतिकारी व्यक्तित्व वाला कोई संत ही बेहतर ढंग से कर सकता है । अपने शब्दों की पैनी धार से मिथ्या मान्यताओं एवं परम्पराओं को खंड़-खंड़ करके रख दिया है ।

विश्वसंत के चिंतन में जहां एक ओर वैचारिक क्रान्ति की अनुगूंज है, वही दूसरी ओर इंसान की जिन्दगी को खूबसूरत और सुखद बनाने की आत्मीय-प्रेरणा भी है । हां, आज ऋषिजी बाजार और चौराहे पर खड़े हो गये है, ताकि आज के विसंगति भरे समाज को एक नई दिशा दिखा सकें । समाज का नूतन निर्माण के लिए ऋषिजी जैसे क्रांतिधर्मी तथा समाज दिग्दर्शकों की महती आवश्यक्ता है । इसमें अभिनव प्राण फूंकने के लिए हमें एसे ही संत चाहीए । ऋषिजी भारत के विभिन्न प्रान्तो में प्रवचन देते है । उनके लेखन और प्रवचन के माध्यम से हजारो लोगो का जीवन परिवर्तित हुआ है ।

UNIVERSAL MEDIA
http://universalmedia.org.in